भाग अ - परिचय		
कार्यक्रम: प्रमाण पत्र	वर्ष::प्रथम वर्ष	सत्र:2021-22

पाठ्यक्रम का कोड	**V1-DRA-HNDT**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	हस्तशिल्प
पाठ्यक्रम का प्रकार :	व्यावसायिक
पूर्वापेक्षा (Pre requisite)	सभी संकाय के विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध
पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम)(**CLO**)	**इस कोर्स का अध्ययन करने के बाद विद्यार्थी सक्षम हो जाएगा-** १. भारत की शिल्प परम्पराओं से परिचित होगा और व्यवहारिक ज्ञान प्राप्त होगा २. विभिन्न शिल्पों की सामग्री का ज्ञान प्राप्त होगा । ३. विभिन्न शिल्पों की प्रक्रिया और तकनीक को समझेंगे। ४. शिल्प पुनरूद्धार और आय सृजन के लिए नए उत्पाद डिजाईन करना । ५. विलोपित हस्तशिल्प संस्कृति का सृजनात्मकता के साथ संरक्षण और संवर्धन । ६. शिल्प के अभिव्यंजक संचार और कार्यात्मक तरीकों में व्यवहारिक उपलब्धि के माध्यम से व्यक्तिगत पहचान और आत्मसम्मान की भावना विकसित होगी।
अपेक्षित रोजगार / करियर के अवसर	• क्राफ्टमेन • डिजायनर • स्वरोजगार • उद्यमी
क्रेडिट मान	**4**

Department of Higher Education

भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु		
व्याख्यानों की कुल संख्या + प्रैक्टिकल (प्रति सप्ताह घंटों में): व्याख्यान -1 घंटा / प्रैक्टिकल अवधि -1 प्रायोगिक घंटा		
व्याख्यान/प्रैक्टिकल की कुल संख्या : **L-30hrs/P-30hrs**		
मॉड्यूल	विषय	घंटे
I	**भारत की शिल्प परंपराः-** **१. परिचय** १.१ भारत की शिल्प परंपरा और इसका सांस्कृतिक महत्व १.२ भारतीय अर्थव्यवथा में हस्तशिल्प की भूमिका १.३ मध्यप्रदेश का शिल्प समूह **२. हस्तशिल्प सामग्री उत्पाद और प्रक्रियाः-** २.१ विभिन्न प्रकार की हस्तशिल्प सामग्री २.२ हस्तशिल्प तकनीक (रंगाई, छपाई और चित्रकारी)	10
II	**मध्यप्रदेश के हस्तशिल्पः-** १. मोटिफ आधारित मध्यप्रदेश के हस्तशिल्प १.१ महेश्वरी मोटिफ १.२ चंदेरी मोटिफ १.३ बाघ मोटिफ **२. रंगाई, छपाई और चित्रकारी भारत का हस्तशिल्प** २.१ बाघ (ब्लॉक् प्रिंट) २.२ भैरवगढ़ (छीपा प्रिंट) २.३ दाबू प्रिंट २.४ बंधेज/बांधनी (टाई एंड डाई) २.५ मधुबनी २.६ कलमकारी	10
III	**मध्यप्रदेश की हस्तशिल्प परंपराः-** ३.१ कंघी शिल्प (उज्जैन, रतलाम और नीमच) ३.२ टेराकोटा शिल्प (मंडला, अलीराजपुर, बैतूल, झाबुआ, जबलपुर) ३.३ सुपारी शिल्प (रीवा) ३.४ पत्थर शिल्प (बैतूल, झाबुआ, मंडला रतलाम मंदसौर, जबलपुर) ३.५ गुड़िया शिल्प (ग्वालियर, झाबुआ) ३.६ बांस /लकड़ी शिल्प (मंडला, शहडोल, सिवनी, जबलपुर) ३.७ चमडा शिल्प (देवास, इंदौर, ग्वालियर) ३.८ मिट्टी शिल्प (झाबुआ, मंडला, बैतूल)	10

Department of Higher Education

	प्रायोगिक पाठ्यक्रम	
	1. रंगाई , छपाई और चित्रकारी तकनीक द्वारा निम्नलिखित नमूने तैयार करना • टाई एंड डाई • बाटिक • ब्लॉक प्रिंटिंग • मधुबनी • कलमकारी **10X10"** के कपडे पर कोई दो नमूने तैयार करना **2.** मध्यप्रदेश के हस्तशिल्प के किन्ही दो नमूनों को संस्थान की सुविधानुसार तैयार करना) सैद्धांतिक प्रश्न पत्र के ३.१ से ३.८ के अनुसार **3.** निम्नलिखित मध्यप्रदेश के परंपरागत शिल्प के अभिप्रायों के नमूने तैयार करना १. महेश्वरी मोटिफ २. चंदेरी मोटिफ ३. छीपा प्रिंट मोटिफ ४. बाघप्रिंट मोटिफ **10X10"**की शीट पर कोई एक परंपरागत मोटिफ संस्थान की सुविधानुसार तैयार करना **4.** उत्पादविकास:- परंपरागत तकनीक से हस्तशिल्प उत्पाद तैयार करना जिन्हें सैद्धांतिक प्रश्नपत्र में पढ़ा गया है (कोई भी दो उत्पाद) **5.** प्रदर्शनी सह बिक्री के अनुसार उत्पाद तैयार करके महाविद्यालय आधार पर या किसी उचित स्थान पर बिक्री हेतु प्रचार प्रसार गतिविधियों में संस्थान की सुविधानुसार प्रस्तुत करना !	**30**

Project/ Field trip : संस्थान की सुविधानुसार स्थानीय स्तर पर

भाग स-अनुशंसित अध्ययन संसाधन

१. उपासना मिश्र – मधुबनी डिजाईन आईडिया ,बी ऍफ़ सी पब्लिकेशन २०२१

२. स्वाति मिश्रा – हैंडलूम और हेंडीक्राफ्ट ऑफ़ मध्यप्रदेश एइचेर गुड अर्थ प्रायवेट लिमिटेड २०१६

३. आशी मनोहर शम्पा शाह – ट्राइबल आर्ट्स एंड क्राफ्ट ऑफ़ मध्यप्रदेश मपिन पब्लिशिंग १९९६

४. चट्टोपाध्याय . के हेंडीक्राफ्ट एंड ट्रेडिशनल आर्ट ऑफ़ इंडिया तारापोरेवाला संस एंड सीओ. प्रायवेट लिमिटेड मुंबई १९६०

५. सराफ डी.एन – इंडियन क्राफ्ट विकास पब्लिशिंग हाउस प्रायवेट लिमिटेड १९८२

६. मध्यप्रदेश के मिट्टी शिल्प द्वारा बसंत निरगुड़े – मध्यप्रदेश आदिवासी लोककला परिषद् संस्कृति भवन भोपाल १९९३

2.अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म वेब लिंक पर : यथा

A . SWAYAM

B . COURSERA

Department of Higher Education

Part A Introduction		
Program: Certificate	**Year: First Year**	**Session: 2021-22**

Course Code	**V1-DRA-HNDT**
Course Title	**Handicraft**
Course Type	**Vocational**
Pre-requisite (if any)	**Open to all**
Course Learning outcomes (CLO)	**After studying this Course the Student will be able to:** 1. Get acquainted with craft traditions of India and get practical knowledge. 2. Describe various craft materials. 3. Understand different craft process and techniques. 4. Design new products for craft revival and income generation. 5. Contribute towards restoring lost cultural handicrafts of Madhya Pradesh. 6. To develop a sense of personal identity and self esteem through practical achievements in the expressive, communicative and functional modes of craft.
Expected Job Role / career opportunities	• Craftsman • Designer • Self-employment • Entrepreneur
Credit Value	**4**

Part B- Content of the Course		
Total No. of Lectures/ Practical: **L-30hrs/P-30hrs**		
Module	**Topics**	**No. of Hours**
I	**I. Craft traditions of India.** 1. Introduction 1.1 Craft traditions of India and its cultural significance. 1.2 Role of Handicraft in Indian Economy. 1.3 Craft Clusters of Madhya Pradesh. 2. Handicraft material, products and process. 2.1 Different types of Handicraft material. 2.2 Handicraft techniques(Dyeing, Printing and Painting).	10
II	**II. Handicrafts of Madhya Pradesh.** **1. Motif based Handicrafts of Madhya Pradesh.** 1.1 Maheshwari Motifs. 1.2 Chanderi Motifs. 1.3 Bagh Motifs. **2. Dyed, Printed and Painted Handicraft of India** 2.1 Bagh (Block print). 2.2 Bherugarh (Batik) Chhipa Art. 2.3 Dabu print . 2.4 Bandhej / Bandhani (Tie and Die) . 2.5 Madhubani. 2.6 Kalamkari.	10
III	**3. Handicraft traditions of Madhya Pradsh.** 3.1 Comb Craft(Ujjain, Ratlam,Neemuch). 3.2 Terracotta (Mandla, Alirajpur, Betul, Jhabua). 3.3 Betel Nut Craft (Rewa). 3.4 Stone Craft (Jhabua, Mandla, Betul , Ratlam, Mandsaur Jabalpur). 3.5 Doll craft (Gwalior, Jhabua). 3.6 Bamboo/ Wooden craft (Mandla, Shahdol, Seoni Jabalpur). 3.7 Leather craft (Dewas, Indore, Gwalior). 3.8 Clay craft (Jhabua , Mandla, Betul).	10

	Practical	
	1. Prepare the samples of following Dyeing , Printing and Painting techniques. • Tie and Dye. • Batik. • Block Printing. • Madhubani. • Kalamkari. Preparation of samples of any two on 10" X 10" size fabric piece. **2. Samples preparation of any two basic craft of M.P. according institute convenience written in theoretical chapter 3.1 to 3.8** **3. Samples preparation of motifs of following traditional craft of M.P.** 1. Maheshwari Motifs. 2. Chanderi Motifs. 3. Bagh Print Motifs. 4. Chhipa Print Motifs. Preparation of samples of any one traditional Motifs on 10X10" size sheet according to institute convenience. **4. Product development ;** **Preparation of Handicraft product with Traditional techniques learnt above in theory (set of any two products).** **5. Exhibition cum sale of prepared products at college premise or any other suitable place along with sales promotion activities according local convenience.**	**30**
1. **Project/ Field trip:** As per the syllabus requirement		

Part C-Learning Resources

Text Books, Reference Books, Other resources

Suggested Readings:

1. Upasana Mishra - Madhubani design idea, BFC Publication 2021.
2. Swati Mishra - Handlooms and Handicrafts of Madhya Pradesh, Eicher Good Earth P.V.T Ltd. 2016 .
3. Aashi Menorah, Shampa Shah - Tribal Arts and Crafts of Madhya Pradesh, Mapin Publishing 1996.
4. Chattopadhyay, K. Handicrafts and Traditional Arts of India, Taraporevala sons & Co. P.V.T Ltd. 1960.
5. Saraf, D.N. Indian Crafts, Vikas Publishing House P.V.T Ltd. 1982 .
6. Madhya Pradesh ke Mitti Shilp dwara Basant Nirgude M.P. Tribal lok kala parishad sanskriti bhawan Bhopal 1993.

Suggested equivalent courses available on different platforms such as :

A. Coursera.
B. SWAYAM.